बृहस्पतिवार | 34 साल से देहरादून का विश्वास

04 जून 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 131
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मौसम ने रोकी राहुल गांधी की उड़ान

□मोबाइल फोन से किया अल्मोड़ा की जनसभा को संबोधित

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का प्रस्तावित अल्मोड़ा दौरा गुरुवार को खराब मौसम की भेंट चढ़ गया। लगातार खराब मौसम और उड़ान संबंधी बाधाओं के कारण राहुल गांधी अल्मोड़ा नहीं पहुंच सके, लेकिन उन्होंने तकनीक के माध्यम से जनसभा को संबोधित कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह बनाए रखा। पंतनगर एयरपोर्ट के डायरेक्टर पवन कुमार ने बताया कि पंतनगर एयरपोर्ट पर उतरने के बाद राहुल गांधी अल्मोड़ा के लिए हेलीकाप्टर से निकले थे लेकिन खराब मौसम के कारण उनका हेलीकाप्टर वहां उतर नहीं पाया और वापस पंतनगर एयरपोर्ट आकर लौट गए हैं।

खराब मौसम के कारण कार्यक्रम स्थगित, पंतनगर से हुए वापस

अल्मोड़ा में आयोजित कांग्रेस की विशाल जनसभा में हजारों कार्यकर्ता और समर्थक राहुल गांधी के इंतजार में जुटे थे। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण जब उनका हेलीकाप्टर उड़ान नहीं भर सका तो कांग्रेस नेतृत्व ने वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए राहुल गांध ी का संबोधन मोबाइल फोन के माध्यम से जनसभा स्थल पर सुनवाया। राहुल गांधी ने अपने संक्षिप्त लेकिन प्रभावी संबोधन में उत्तराखंड के मुद्दों, बेरोजगारी, महंगाई, पलायन और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती जैसे विषयों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी के बीच अल्मोड़ा व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना चाहता था। मौसम खराब होने के कारण मेरा हेलीकाप्टर लैंड नहीं कर पाया, जिसके लिए मैं आप सभी से क्षमा प्रार्थी हूँ। लेकिन मौसम हमारी शारीरिक दूरी तो बढ़ा सकता है, दिल का रिश्ता नहीं। इतनी खराब परिस्थितियों में भी जो हजारों की संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक यहां डटे रहे, मैं उनके इस जज्बे को सलाम करता हूँ। आप सभी कांग्रेस की रीढ़ हैं। तानाशाह ताकतों के सामने झुकना हमारी फितरत नहीं है। मौसम खराब है, लेकिन हमारा हौसला बुलंद है। मैं जल्द ही दोबारा अल्मोड़ा आने का कार्यक्रम बनाऊंगा और आप सब के बीच आकर आपकी बात सुनुंगा। तब तक आप जनता की आवाज बनकर लड़ते रहिए।

राहुल गांधी के संबोधन से पहले प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के कई कांग्रेस नेताओं ने सभा को संबोधित किया। वक्ताओं ने राज्य में बढ़ती बेरोजगारी, पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन, महंगाई और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर भाजपा सरकार पर सवाल उठाए। नेताओं ने कहा कि उत्तराखंड की जनता अब बदलाव चाहती है और आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरेगी। सभा में मौजूद नेताओं ने राहुल गांधी के उत्तराखंड से विशेष लगाव का उल्लेख करते हुए कहा कि मौसम खराब होने के बावजूद उन्होंने जनसभा को संबोधित कर कार्यकर्ताओं के प्रति अपनी प्रतिब(ता दिखाई है।

अल्मोड़ा की जनसभा को कांग्रेस शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है। हालांकि मौसम ने राहुल गांधी की भौतिक उपस्थिति को रोक दिया, लेकिन डिजिटल माध्यम से उनका संबोधन पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए संदेश देने में सफल रहा। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि उत्तराखंड के युवाओं को रोजगार, किसानों को बेहतर सुविध एं और पहाड़ों को पलायन से मुक्ति दिलाना कांग्रेस की प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर उनके मुद्दों को उठाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया।

राजस्थान के बदमाशों की दून पुलिस से मुठभेड़

□दो गिरफ्तार, तमंचे व कारतूस बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आज तड़के सुबह पुलिस की सजगता से राजस्थान के दो अंतरराज्यीय बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। नयागांव क्षेत्र में नाकेबंदी के दौरान हुई इस मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरे को पुलिस ने पीछा करके पकड़ लिया। पुलिस अब फरार तीन अन्य बदमाशों की तलाश में तेजी से छापेमारी कर रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह नयागांव चौकी बैरियर पर सघन वाहन चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान राजस्थान नंबर प्लेट वाली स्विफ्ट कार में सवार बदमाशों ने बैरियर को टक्कर मार दी और सेलाकुई की ओर भाग निकले। जिस पर पुलिस टीम ने तुरंत उनका पीछा किया। इस पर बदमाश चांदनी चौक से भूरपुर होते हुए रामगढ़ के रपटे वाले इलाके तक पहुंचे। यहां उन्होंने कार छोड़कर नदी की तरफ भागने की कोशिश की। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें

एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। दूसरे बदमाश को पुलिस ने मौके पर ही दबोच लिया। घायल बदमाश को तत्काल प्रेमनगर चिकित्सालय ले जाया गया, जहां से उसे बेहतर उपचार के लिए दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस ने दोनों गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से दो देशी तमंचे, खोखा और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा घटना में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार को भी कब्जे में ले लिया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल और अस्पताल जाकर पूरी जानकारी ली और आगे की कार्रवाई के निर्देश दिए। देहरादून पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए फरार तीन बदमाशों की धरपकड़ के लिए कई टीमों को मैदान में उतारा है। वहीं गिरफ्तार किये गये बदमाशों के नाम रिंकू मीणा पुत्र सियाराम निवासी ग्राम अखरोट तहसील मण्डावर थाना मण्डावर जिला दौसा राजस्थान व विनोद कुमार मीणा पुत्र रामलाल मीणा निवासी ग्राम व पोस्ट झारेड़ा तहसील हिंडौन सिटी जिला करौली राजस्थान बताये जा रहे है। पुलिस के अनुसार मुठभेड़ में घायल बदमाश रिंकू मीणा के खिलाफ राजस्थान में हत्या सहित कई संगीन अपराध दर्ज है। वहीं दूसरे बदमाश विनोद मीणा के खिलाफ भी राजस्थान मे कई संगीन अपराध दर्ज है।

दून वैली मेल

संपादकीय

अब दिल्ली में कॉकरोचों का हल्ला बोल

कॉकरोच अब दिल्ली में दस्तक देने जा रहे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दिपके जो अभी भी विदेश में है 6 जून को दिल्ली आ रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर इसकी जानकारी देते हुए अपने भारत पहुंचने और इसके बाद पुलिस स्टेशन जाकर जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने की अनुमति लेने के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की एक सूत्रीय मांग को लेकर धरना प्रदर्शन करने की जानकारी दी गई है। उन्होंने अपने सभी फॉलोअर कॉकरोचों को दिल्ली पहुंचने की अपील की है। 2 करोड़ से अधिक युवाओं के दिल्ली पहुंचने की इस खबर ने सरकार की धड़कनें बढ़ा दी है। अब तक केवल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने वाली इस पार्टी ने पहली बार फिजिकली किसी कार्यक्रम की घोषणा की है। नीट और सीबीएसई की परीक्षाओं में धांधली से आहत युवाओं का आक्रोश इस समय अपने चरम पर है और सरकार इस मामले को किसी भी तरह से मैनेज करने में जुटी हुई है। सरकार के सामने इस बार समस्या दूसरे तरह की है यह किसान आंदोलन और अन्य धरने प्रदर्शनों की तरह नहीं है कि जब किसी कर्मचारियों के संगठनों द्वारा अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा हो और सरकार अश्रु गैस के गोले और वाटर के नल से पानी की बौछार कर उन्हें पस्त कर दे। इस बार सरकार के मुकाबले में वह जेन जी है जिसकी ताकत से हम अच्छी तरह से वाकिफ हैं। इस बात को सत्ता में बैठे लोग भी अच्छी तरह से जानते समझते हैं। यही कारण है कि इस युवा शक्ति के जमावड़े को रोकने के लिए सरकार अदालत तक पहुंच गई है यह अलग बात है कि उसे कोई खास राहत नहीं मिल सकी है। सरकार द्वारा शिक्षा विभाग के कुछ अधिकारियों को इधर-उधर कर इस मामले में कार्यवाही करने का महज नाटक किया जा रहा है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा लेकर सरकार अपनी इस गलती को स्वीकार करने से बचने की जितनी अधिक कोशिश कर रही है उतना ही अधिक मामला और गंभीर होता जा रहा है। उधर विपक्ष भी इस मुद्दे को लेकर सरकार पर तीखे हमले कर रहा है। नेता विपक्ष राहुल गांधी सीधे-सीधे इन युवाओं के बीच जाकर उनसे मिलकर बात कर रहे हैं तथा उन्हें अपनी लड़ाई के लिए खुद मैदान में उतरने तथा उनके साथ खुद भी खड़े होने का भरोसा दिला रहे हैं। उधर देश के राजनीतिक नई परिस्थितियों में 6 जून को दिल्ली में इंडिया ब्लॉक की एक अहम बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर होने वाली है। ममता बनर्जी के आग्रह पर होने वाली बैठक में भी विपक्षी एकता और एक जुटता के साथ युवाओं के इस आंदोलन में उनके साथ खड़े होने पर चर्चा की जाएगी। आगामी 6 जून को दिल्ली में होने वाली इन दो बड़ी गतिविधियों को लेकर दिल्ली दरबार में अफरा तफरी मची हुई है। सत्ता को यह भी पता है कि अगर जेन जी पर उसके द्वारा सत्ता बल का अत्यधिक प्रयोग किए जाने से हालात और भी अधिक बिगड़ सकते हैं। अभिजीत ने भी कहा है कि हो सकता है एयरपोर्ट पर उनकी गिरफ्तारी कर ली जाए लेकिन उनकी गिरफ्तारी पर कॉकरोच की क्या प्रतिक्रिया सामने आएगी इसके बारे में कुछ भी कहना अभी जल्दबाजी होगा लेकिन इस मुद्दे पर सरकार के अभी से पसीने छूट रहे हैं।

बंधक बनाकर तमंचे के बल पर लूट करने का आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। तमंचे के बल पर घर में बंधक बनाकर लाखों के जेवरात लूटने व बाइक चोरी करने के मामले मे पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से तमंचा, कारतूस व लूटे गये जेवरात व नगदी बरामद की गयी है। मामले के दो आरोपी पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके है।

जानकारी के अनुसार थाना पुलभट्टा पुलिस द्वारा घर में घुसकर परिवार को बंधक बनाकर तमंचे के बल पर लूट एवं मोटरसाइकिल चोरी की घटना का सफल अनावरण किया गया है। इस प्रकरण में पुलभट्टा पुलिस द्वारा पूर्व में 2 आरोपियों को लूट के माल एवं तमंचों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मामले में फरार चल रहे तीसरे फरार आरोपी की तलाश लगातार की जा रही थी। इसी क्रम में थाना पुलभट्टा पुलिस टीम द्वारा मुकदमे से सम्बन्धित फरार आरोपी शकील मियां पुत्र हसीन मियां निवासी ग्राम लोहार नगला, थाना फतेहगंज पश्चिमी, जनपद बरेली (उ.प्र.)को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के कब्जे से 1 तमंचा 315 बोर, 1 जिन्दा कारतूस 315 बोर (लूट की घटना में प्रयुक्त), लूट में लूटे गये जेवरात एवं 30 हजार रूपये नगद, व बाइक बरामद की गयी है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

उत्तराखंड में विस चुनाव 2027 के संभावित मुद्दे -भाग-25

राज्य गठन से अब तक का इतिहास गवाह, विकास पीछे छूटा, हर बार नेतृत्व परिवर्तन बना बड़ा मुद्दा

'फेस वैल्यू' वर्सेस 'ग्राउंड रियलिटी'

नेतृत्व विकास का मुद्दा

उत्तराखंड में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और पलायन जैसे मुद्दे हमेशा चुनावी केंद्र में रहते हैं। लेकिन यदि राजनीतिक दलों के भीतर नेतृत्व को लेकर असमंजस या प्रतिस्पर्धा बढ़ती है तो चुनावी विमर्श का बड़ा हिस्सा नेतृत्व की बहस की ओर भी मुड़ सकता है। ऐसे में 2027 का चुनाव केवल नीतियों का नहीं, बल्कि भरोसेमंद नेतृत्व की तलाश का चुनाव भी बन सकता है।

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 अभी दूर है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में एक सवाल तेजी से चर्चा का विषय बनता जा रहा है आखिर चुनाव में नेतृत्व का चेहरा कितना महत्वपूर्ण होगा? राज्य गठन के बाद से उत्तराखंड की राजनीति में नेतृत्व परिवर्तन हमेशा बड़ा मुद्दा रहा है। ऐसे में आगामी चुनाव में विकास, रोजगार और पलायन के साथ-साथ नेतृत्व की लड़ाई भी प्रमुख चुनावी मुद्दा बन सकती है।

राज्य की राजनीति का इतिहास बताता है कि यहां मुख्यमंत्री बदलने की घटनाएं आम रही हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल समय-समय पर नेतृत्व परिवर्तन के प्रयोग करते रहे हैं। ऐसे में 2027 के चुनाव में मतदाता केवल दल नहीं, बल्कि नेतृत्व की स्थिरता और विश्वसनीयता को भी परख सकते हैं। भाजपा फिलहाल सत्ता में है और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार काम कर रही है। धामी ने युवा नेतृत्व की पहचान बनाने की कोशिश की है, लेकिन चुनाव नजदीक आते-आते पार्टी के भीतर और बाहर यह चर्चा भी तेज होगी कि क्या भाजपा पूरी तरह धामी के चेहरे पर चुनाव लड़ेगी या सामूहिक नेतृत्व की रणनीति अपनाएगी। हालांकि शीर्ष नेतृत्व धामी के नाम पर मोहर लगा चुका है, लेकिन भाजपा के अंदर कुछ भी हो सकता है।

वहीं कांग्रेस में स्थिति और अधिक दिलचस्प दिखाई देती है। पार्टी के पास कई अनुभवी नेता हैं, लेकिन मुख्यमंत्री पद का स्वाभाविक दावेदार कौन होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती एक ऐसा नेतृत्व प्रस्तुत करने की होगी जो संगठन को

●रोजगार और जमीनी मुद्दों के बीच, वोटर तलाश रहा है एक मजबूत और क्रेडिबल चेहरा
●एंटी-इंकम्बेंसी और संगठन की अंदरुनी कलह के बीच 'चेहरे' की ब्रांडिंग भी है आवश्यक
●पलायन का दर्द और सियासत की चाल, आम मतदाता की नजर रहेगी सिर्फ 'कैप्टन' पर
●उत्तराखंड में भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों में नेतृत्व को लेकर बढ़ रही हैं चर्चाएं

एकजुट रख सके और जनता के बीच भरोसे का वातावरण बना सके। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तराखंड में अब मतदाता केवल चुनावी घोषणाओं से प्रभावित नहीं होते। वह यह भी देखना चाहते हैं कि सरकार का नेतृत्व कौन करेगा और संकट की परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता किसके पास है। चारधाम यात्रा, आपदा प्रबंधन, बेरोजगारी, पलायन और निवेश जैसे मुद्दों पर नेतृत्व की कार्यशैली भी जनता के मूल्यांकन का हिस्सा बन सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तराखंड में क्षेत्रीय संतुलन भी नेतृत्व की बहस को प्रभावित करता है। गढ़वाल और कुमाऊं के बीच राजनीतिक प्रतिनिधित्व का प्रश्न समय-समय पर सामने आता रहा है। ऐसे में चुनाव के दौरान नेतृत्व का सवाल केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरणों से भी जुड़ सकता है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार यदि चुनाव त्रिकोणीय या बहुकोणीय मुकाबले की ओर बढ़ता है तो नेतृत्व का प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है। ऐसे हालात में मजबूत और स्वीकार्य चेहरा चुनावी लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

फिलहाल भाजपा और कांग्रेस दोनों ही विकास, संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियानों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, लेकिन जैसे-जैसे चुनाव करीब आएंगे, नेतृत्व को लेकर चर्चाएं और तेज होना तय है। उत्तराखंड की राजनीति में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि जनता पार्टी को वोट देती है या चेहरे को। 2027 का चुनाव इस बहस का नया अध्याय लिख सकता है।

युवा कांग्रेस द्वारा शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। राहुल गांधी के उत्तराखण्ड आगमन के अवसर पर युवा कांग्रेस ने कांग्रेस भवन के मुख्य द्वार पर श्रद्धालुओं एवं आमजन के लिए शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

आज यहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उत्तराखंड आगमन के अवसर पर उत्तराखंड युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव (संगठन) प्रियंश चाबड़ा के नेतृत्व में कांग्रेस भवन, देहरादून के मुख्य द्वार पर श्रद्धालुओं एवं आमजन के लिए शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम का उद्देश्य भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत प्रदान करना तथा कांग्रेस की जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाना था। कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि राहुल गांधी देश के युवाओं, किसानों और आम जनता की आवाज हैं। उनका उत्तराखंड आगमन कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और ऊर्जा भरने का कार्य करेगा। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनसेवा और सामाजिक सरोकारों की राजनीति में विश्वास रखती है। शरबत वितरण जैसे कार्यक्रम समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और सेवा भावना को दर्शाते हैं।

इस अवसर पर युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव (संगठन) प्रियंश छाबड़ा ने कहा कि राहुल गांधी आज देश के युवाओं, किसानों, मजदूरों और आम जनता की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व रहे हैं। उनके उत्तराखंड आगमन से प्रदेश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया जोश और उत्साह पैदा हुआ है। युवा कांग्रेस जनसेवा और जनता के मुद्दों को लेकर निरंतर कार्य करती रहेगी तथा राहुल गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष संजय किशोर, पार्षद निखिल कुमार, अर्जुन रावत, अर्जुन सोनकर, सुमेन्द्र बोहरा, अनूप कपूर, रमेश मंगू, दीप वोहरा,भारत शर्मा, इताअत खघन,विकास नेगी, अमरदीप सिंह, तृषित नेगी, वैभव सोनकर सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में प्रियंश छाबड़ा ने सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस जनता के बीच रहकर सेवा और संघर्ष की अपनी परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाती रहेगी।

भाजपा का जनसंपर्क अभियान पांच जून से

हल्द्वानी(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा नैनीताल जिले में पांच से 23 जून तक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाएगी। इके तहत विकास, सेवा, सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में मंगलवार को हल्द्वानी स्थित कुमाऊं संभाग कार्यालय में भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला हुई। शुभारंभ मुख्य वक्ता पुष्कर सिंह काला, जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, नैनीताल विधायक सरिता आर्या, लालकुआं विधायक मोहन सिंह बिष्ट और मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने दीप प्रज्वलित कर किया। जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट ने कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। पुष्कर सिंह काला ने बताया कि 5 से 11 जून तक 'एक पेड़ मां के नाम' पौधरोपण अभियान, 8 से 14 जून तक प्रबुद्धजन संपर्क अभियान, 12 जून को मीडिया संवाद और 12 से 14 जून तक विकास प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। वहीं 13 से 2 जून तक जनकल्याण शिविर, 15 से 18 जून तक विधानसभा स्तरीय प्रबुद्ध बैठकें व 16 से 2 जून तक प्राकृतिक एवं जैविक खेती कार्यशालाएं होंगी। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस के कार्यक्रम बूथ स्तर तक आयोजित किए जाएंगे। दायित्वधारी सुरेश भट्ट, दीपक मेहरा, दिनेश आर्या, अनिल कपूर डब्बू, शांति मेहरा, पूर्व मेयर जोगेन्द्र पाल सिंह रौतेला, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप बिष्ट, जिला महामंत्री रंजन बर्गली, विनीत अग्रवाल, कंचन उप्रेती व किशोर जोशी, मधुकर श्रोत्रिय आदि मौजूद रहे।

बाजपुर गैस एजेंसी पर तहसीलदार ने किया औचक निरीक्षण

काशीपुर(आरएनएस)। गैस की किल्लत और उपभोक्ताओं में बढ़ती जा रही नाराजगी को देखते हुए मंगलवार को भाजपा नेता राजेश कुमार ने तहसीलदार प्रताप सिंह चैहान को साथ लेकर अनाज मंडी स्थित इंडेन गैस कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एजेंसी परिसर में भारी अव्यवस्था और अनावश्यक भीड़ देखकर अधिकारियों ने कड़ी नाराजगी जताई। लोगों को गैस मिलने में आ रही दिक्कतों को एक सप्ताह में दूर करने के निर्देश प्रबंधक को दिए। भाजपा नेता राजेश कुमार और तहसीलदार प्रताप चैहान ने गैस वितरण, उपभोक्ता सुविधाओं और होम डिलीवरी की जमीनी हकीकत को परखा। एजेंसी पर फैली अव्यवस्थाओं पर रोष व्यक्त करते हुए भाजपा नेता राजेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सूबे की सरकार सुशासन और जनहित के संकल्प के साथ काम कर रही है। आम जनता को परेशान कर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और छवि को धूमिल करने का कोई भी प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि प्रशासन जांच करे और यदि कोई भी एजेंसी कर्मचारी या फिर आम व्यक्ति कालाबाजारी में लिप्त पाया जाता है तो फिर उस पर कठोर कार्रवाई की जाये। कहा कि आमजन को पारदर्शी और बेहतर सुविधाएं देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

वहीं तहसीलदार प्रताप सिंह चैहान ने एजेंसी प्रबंधन को स्पष्ट हिदायत दी कि सिलेंडरों की होम डिलीवरी व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावी और सुचारु बनाया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक रूप से एजेंसी के चक्कर न काटने पड़ें। उन्होंने पूर्ति निरीक्षक और प्रबंधक को भी दिशा निर्देश देकर तत्काल लोगों की समस्याओं को दूर करने को कहा है। यहां अरूण शर्मा, प्रमोद राजहंस, पूर्ति निरीक्षक विपिन राणा, गैस प्रबंधक बाबूराम, विमल शर्मा, सुहेल, नासिर, रोहित, शादाब, सुमित आदि लोग मौजूद रहे।

सवा करोड़ की योजना से होगी खेतों की सिंचाई

बागेश्वर(आरएनएस)। अनर्सा समेत तीन गांवों के किसानों के खेत अब प्यासे नहीं रहेंगे। एक करोड़ 34 लाख रुपये की लागत से बने अनर्सा-रैंगांव लिफ्ट सिंचाई योजना का पानी खेतों तक पहुंचेगा। इससे सब्जी उत्पादन को सबसे अधिक फायदा होगा। क्षेत्रीय विधायक सुरेश गड़िया ने योजना का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि योजना बनने से किसानों की मेहनत को अब नई दिशा मिलेगी। ग्राम पंचायत अनर्सा में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में विधायक गड़िया ने कहा कि योजना से अनर्सा सन, हरसीला गांवों के किसानों को लाभ मिलेगा। यह केवल एक सिंचाई योजना नहीं, बल्कि हमारी जनता के सपनों, संघर्षों और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है। वर्षों से बेहतर सिंचाई सुविधा की अपेक्षा रखने वाले किसानों के लिए यह योजना नई आशा, नए विश्वास और नई संभावनाओं का द्वार खोलेगी।अब खेतों तक पानी पहुंचने से कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि वह कपकोट विधानसभा क्षेत्र को विकास, समृद्धि और आत्मनिर्भरता के नए आयामों तक पहुँचाने के लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख बागेश्वर दीपा देवी, मंडल अध्यक्ष देवल चौरा भूपेश फर्त्याल, ग्राम प्रधान प्रवीण कुमार,प्रमोद कुमार, मनोहर राम, दीवान सिंह खेतवाल, केदार सिंह खेतवाल, प्रमोद मेहता, हरीश चौहान तथा दीपक खेतवाल आदि मौजूद रहे।

पहाड़ में पलायन ने छीनी 'बचपन की छांव'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ के चमोली जिले के दरमोड़ा गांव में 75 वर्षीय कमला देवी हर शाम घर के आंगन में बैठकर सड़क की ओर देखती हैं। उनकी आंखें किसी राहगीर को नहीं, बल्कि उस उम्मीद को तलाशती हैं कि शायद इस बार छुट्टियों में उनका पोता घर आ जाए। पोता अब देहरादून के एक निजी स्कूल में पढ़ता है। साल में एक-दो बार ही गांव आ पाता है। मोबाइल पर बात तो होती है, लेकिन कमला देवी कहती हैं, फोन में बच्चे की आवाज सुनाई देती है, उसकी हंसी नहीं दिखती।

उत्तराखंड के पहाड़ों से लगातार हो रहे पलायन ने केवल गांवों की आबादी कम नहीं की है, बल्कि पीढ़ियों के बीच मौजूद आत्मीय रिश्तों को भी कमजोर कर दिया है। रोजगार, शिक्षा और बेहतर सुविधाओं की तलाश में हजारों परिवार शहरों में बस गए हैं। इसके साथ ही बच्चों और उनके दादा-दादी, नाना-नानी के बीच का वह रिश्ता भी दूर होता जा रहा है, जो कभी पहाड़ की सामाजिक संस्कृति की सबसे मजबूत कड़ी हुआ करता था।

एक समय था जब गांवों के आंगन बच्चों की किलकारियों से गूंजते थे। दादी की कहानियां, नानी के लोकगीत, दादा के अनुभव और नाना की सीख बच्चों के व्यक्तित्व का हिस्सा बनते थे। आज इन आंगनों में सन्नाटा है। बुजुर्ग अकेले हैं और बच्चे शहरों की भागदौड़ में अपनी जड़ों से दूर होते जा रहे हैं। पौड़ी जिले के पाटयों गांव में रहने वाले 82 वर्षीय मोहन सिंह बताते हैं कि उनका नाती दिल्ली में रहता है। जब वह छोटा था तो हर गर्मियों में गांव आता था। अब पढ़ाई और कोचिंग के कारण वर्षों निकल जाते हैं। कभी-कभी वीडियो कॉल पर बात हो जाती है, लेकिन वह बात कहां जो गोद में बैठकर होती थी।

●पहाड़ के गांवों में दादा-दादी और नाना-नानी से दूर हो रहे नौनिहाल, टूट रहे रिश्तों के अनकहे धागे
●रोजगार की तलाश में शहरों की ओर बढ़ते कदमों ने बच्चों के बचपन से भी बुजुर्गों का स्नेह छीना
●पहाड़ की सामाजिक संस्कृति की सबसे मजबूत कड़ी पर लग गई है आज पलायन की नजर

समाजशास्त्रियों का मानना है कि यह दूरी केवल भौगोलिक नहीं, भावनात्मक भी है। बच्चों को बुजुर्गों का अनुभव और संस्कार नहीं मिल पा रहे हैं, वहीं बुजुर्ग अकेलेपन और उपेक्षा की भावना से जूझ रहे हैं। संयुक्त परिवारों के टूटने और पलायन की बढ़ती प्रवृत्ति ने इस खाई को और चौड़ा कर दिया है।

पहाड़ की लोक संस्कृति में बुजुर्ग केवल परिवार के सदस्य नहीं, बल्कि परंपराओं और लोक ज्ञान के जीवित स्रोत होते थे। लोककथाएं, रीति-रिवाज, त्योहारों की परंपराएं और स्थानीय इतिहास बच्चों तक इन्हीं के माध्यम से पहुंचता था। अब यह श्रृंखला धीरे-धीरे कमजोर पड़ रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पहाड़ों में रोजगार और शिक्षा के बेहतर अवसर विकसित किए जाएं तो पलायन की गति को कम किया जा सकता है। इससे न केवल गांवों की रौनक लौटेगी, बल्कि परिवारों के बिखरते रिश्तों को भी नई मजबूती मिलेगी।

आज भी पहाड़ के हजारों गांवों में कई दादा-दादी और नाना-नानी अपने बच्चों और पोते-पोतियों की राह देख रहे हैं। उनके लिए सबसे बड़ी खुशी कोई सरकारी योजना या आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि घर के आंगन में गूंजती अपने बच्चों की किलकारी है। पलायन ने पहाड़ के गांवों से केवल लोगों को नहीं छीना, उसने बच्चों के बचपन से दादी की कहानियां, नानी की ममता और दादा के अनुभवों की वह अमूल्य धरोहर भी छीन ली है, जो किसी किताब या मोबाइल स्क्रीन पर नहीं मिल सकती।

अवैध खनन के खिलाफ युवा सेना ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। अवैध खनन के खिलाफ युवा सेना ने प्रदर्शन कर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां युवा सेना, द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष कुमार को जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी एवं बढ़ती कीमतों, निजी विद्यालयों की मनमानी फीस वृद्धि, निजी अस्पतालों में बढ़ते उपचार शुल्क, प्राप्त स्वास्थ्य संबंधी शिकायतों तथा विकासनगर क्षेत्र में अवैध खनन के मामलों पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की गई। संगठन ने कहा कि बढ़ती महंगाई, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत तथा अवैध खनन जैसी समस्याओं के कारण आम जनता को लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन को इन विषयों पर गंभीरता से ध्यान देते हुए प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई करनी चाहिए।

इस अवसर पर सागर रघुवंशी प्रदेश अध्यक्ष, युवा सेना उत्तराखण्ड ने कहा कि जनता से जुड़े मूलभूत विषयों पर प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित होना आवश्यक है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आवश्यक सेवाएं आम नागरिक की पहुंच में रहनी चाहिए। यदि जनहित के इन मुद्दों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होती है तो युवा सेना प्रदेशभर में जनजागरण अभियान चलाने को बाध्य होगी। वहीं सुमित चौधरी प्रदेश महासचिव, युवा सेना उत्तराखण्ड ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई के बीच गैस सिलेंडर की कीमतें, निजी विद्यालयों की मनमानी एवं स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च आम परिवारों पर अतिरिक्त बोझ डाल रहा है। प्रशासन को इन विषयों पर नियमित निगरानी व्यवस्था स्थापित कर जनता को राहत प्रदान करनी चाहिए। मनजीत भट्ट महानगर अध्यक्ष, देहरादून ने कहा कि विकासनगर क्षेत्र में अवैध खनन की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। इससे पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। युवा सेना इस विषय को लेकर निरंतर आवाज उठाती रहेगी और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग करती है।

युवा सेना ने जिलाधिकारी से सभी विषयों पर शीघ्र प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है तथा चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन जनहित में लोकतांत्रिक आंदोलन चलाने के लिए बाध्य होगा। इस अवसर पर मोहित, अमित, गोविंद, राजू, शुभम, सोनू, आयुष, विशाल, अभिराज, रितेश, लक्ष्य, समीर, कमलेश, वरुण, कैलाश, मन्नू, विवेक, नीरज, वंश, आलोक, अंश सैकड़ों युवा शिव सैनिक मौजूद रहे।

फल और सब्जियों को सही तरीके से धोने के लिए अपनाएं यह तरीका

स्वस्थ रहने के लिए डाइट में सब्जियों और फलों को शामिल करना आवश्यक है। हालांकि, केवल इन्हें अपनी डाइट में शामिल करना ही पर्याप्त नहीं हैइनका सेवन करने से पहले इनसे गंदगी, कीटनाशकों और रासायनिक अवशेषों को हटाना आवश्यक है। तभी आपको फल-सब्जियों से भरपूर फायदे मिल सकते हैंआइए आज हम आपको सही तरीका बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप सब्जियों और फलों को अच्छे से साफ कर सकते हैं। खाने के लिए फल और सब्जियों का इस्तेमाल करने से पहले और बाद में अपने हाथों को गर्म पानी और साबुन से धो लें। यह छोटा कदम हानिकारक कीटाणुओं और जीवाणुओं के प्रसार को रोकने में मदद कर सकता है। इसलिए फलों और सब्जियों को खाने से पहले हमेशा अपने हाथ अच्छी तरह से धोने की आदत बनाएंइसके अलावा फल और सब्जियों को काटने के लिए इस्तेमाल होने वाला चाकू भी साफ करें।

फल और सब्जियां को साफ करने के लिए आप नमक और गुनगुने पानी का इस्तेमाल कर सकते हैंइसके लिए बड़े बर्तन में गुनगुने पानी को भरे, फिर उसमें एक बड़ी चम्मच नमक मिलाएं। इसके बाद इसमें लगभग 2 मिनट के लिए फलों और सब्जियों को डालने के बाद निकाल लें। इस तरह से सब्जियां और फल पूरी तरह से कीटाणुमुक्त और साफ हो जाएगें।

फलों और सब्जियों को धोने के बाद उन्हें ठीक से सुखाना महत्वपूर्ण है। एक साफ कपड़ा या माइक्रोफाइबर तौलिया फल और सब्जियों की सतह पर मौजूद किसी भी शेष कीटाणु को खत्म करने में मदद कर सकता हैइससे खाद्य जनित बीमारियों के जोखिम को कम करने और सब्जियों आदि को लंबे समय तक ताजा रखने में मदद मिल सकती हैइसलिए अपने उत्पादों को धोने के बाद हल्के हाथों से थपथपाकर सुखाना न भूलें। फलों और सब्जियों को खाने से पहले उसके दाग वाले हिस्से को काट देना महत्वपूर्ण हैइसका कारण है कि ये क्षेत्र कीटाणुओं के लिए प्रजनन स्थल हो सकते हैं, जिससे खाद्य जनित बीमारियां हो सकती हैंऐसे में इन क्षेत्रों को हटाकर बीमारियों से बचाव हो सकता है और आप सुरक्षित रूप से फल और सब्जियों का आनंद ले सकते हैं। फल और सब्जियों को साफ करना न केवल गंदगी हटाने के लिए, बल्कि कीटनाशकों और रसायनों जैसे तत्वों को खत्म करने के लिए भी आवश्यक हैदरअसल, स्ट्रीट वेंडर में अक्सर स्वच्छता मानकों का अभाव होता है, जिसके कारण वे सब्जियों और फलों को कीटाणुओं के संपर्क में ला सकते हैं, जिससे गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए खाने से पहले फल और सब्जियां अच्छी तरह से धोना महत्वपूर्ण है।

ज्यादा नींबू पानी पीने से शरीर को होता हैं नुकसान

एकदम हेल्दी और फिट रहने के लिए हेल्थ एक्सपर्ट अक्सर ज्यादा पानी पीने की सलाह देते हैं। ज्यादा पानी पीना तो सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है।

शरीर को पूरे दिन हाईड्रेट बनाए रखने के लिए पूरा दिन पानी पीना फायदेमंद होता है। ऐसे में लोग नींबू का इस्तेमाल करते हैं। नींबू शरीर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद तो होता है। साथ ही यह शरीर से गंदगी निकालने का भी काम करती है। साथ ही साथ यह चर्बी गलाने का काम भी करती है। इससे आपको मोटापा से छुटकारा मिल जाएगा। लेकिन इतना तो आपको पता है किसी भी चीज का हद से ज्यादा इस्तेमाल आपके लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

आइए जानते हैं नींबू-पानी पीना रोजाना सही है या नहीं? वजन को कंट्रोल में रखने के लिए और शरीर को डिटॉक्स करने के लिए नींबू पानी काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। शरीर में मौजूद जो फैट होता है उसे भी कम करता है। लेकिन कुछ लोगों को जल्दी रहती है ऐसे में वह चाहते हैं तुरंत फायदा मिले।

नींबू पानी शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। लेकिन काफी ज्यादा पीना शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर के लिए फायदेमंद होता है। हर रोज एक गिलास से ज्यादा नींबू पानी पीने से बचना चाहिए। गर्मी हो या सर्दी कई लोग ऐसे हैं जो काफी ज्यादा नींबू-पानी का इस्तेमाल करते हैं। एक दिन में काफी ज्यादा नींबू और पानी पीना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे आपकी पाचन भी बिगाड़ सकती है।

ज्यादा नींबू-पानी हार्टबर्न की शिकायत हो सकती है। ज्यादा नींबू पानी से पेप्टिक अल्सर का खतरा बढ़ जाता है। ज्यादा नींबू पीने से शरीर डिहाइड्रेट हो सकता है। ज्यादा पीने से वजन ज्यादा कम हो सकता है। शरीर में आयरन की कमी बढ़ सकती है । पाचन तंत्र में गड़बड़ी हो सकती है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

कर्ली बालों की सुंदरता बनाए रखते हैं ये हेयर ऑयल, जानें इसे कैसे लगाएं

घुंघराले बाल हर लडकी की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं, लेकिन इन खूबसूरत बालों को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखना भी जरूरी है। घुंघराले बालों की उचित देखभाल न करने पर ये जल्दी बेजान और फ्रिजी हो सकते हैं। इसलिए इनकी देखभाल के कुछ महत्वपूर्ण टिप्स जानना बहुत जरूरी है। घुंघराले बालों को हमेशा नरम और सावधानीपूर्वक कॉम करें। आइए जानते हैं कि घुंघराले बालों को स्वस्थ, खूबसूरत और चमकदार बनाने के लिए कौन सा तेल इस्तेमाल करें।

कोकोनट ऑयल (नारियल तेल)

कोकोनट ऑयल से बालों को गहरी नमी मिलती है। इसे सीधे बालों पर लगा सकते हैं, फिर 1-2 घंटे बाद धो लेंकोकोनट ऑयल में भरपूर मात्रा में विटामिन ई और फैटी एसिड्स पाए जाते हैं जो कर्ली बालों को नरम और चमकदार बनाते हैं। यह बालों की नमी को बनाए रखने में मदद करता है और बालों को हाइड्रेट रखता है। कोकोनट ऑयल में एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो स्कैल्प संक्रमण से बचाते हैं। कोकोनट ऑयल बालों को कंडीशन करता है और फ्रिज कम करने में मदद करता है।

अर्गन ऑयल

इसे लिक्विड गोल्ड के रूप में जाना जाता है। यह बालों को मुलायम और चमकदार बनाता है। थोड़ी मात्रा में हाथ पर लें और बालों में अच्छे से मसाज करें। अर्गन ऑयल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो बालों को नरम और चमकदार बनाते हैं। यह बालों में नमी बनाए रखने में मदद करता है और बालों को हाइड्रेट रखता है। अर्गन ऑयल एक प्राकृतिक कंडीशनर की तरह काम करता है और फ्रिज को कम करता है। यह बालों के नैचुरल ऑयल को बैलेंस करने में मदद करता है जिससे बाल स्वस्थ रहते हैं। अर्गन ऑयल बालों को सॉफ्ट और सिल्की बनाता है। यह बालों के टूटने और झड़ने को रोकने में मदद करता है।

जोजोबा ऑयल

यह त्वचा के से भी मेल खाता है और बालों को जरूरी पोषण प्रदान करता है। जोजोबा ऑयल में मॉइस्चराइजिंगगुण होते हैं जो बालों को हाइड्रेट रखते हैं। यह बालों के पीएच बैलेंस को बनाए रखने में मदद करता है। यह ऑयल बालों को सॉफ्ट, सिल्की और चमकदार बनाता है।

कैस्टर ऑयल (अरंडी का तेल)

यह बालों की ग्रोथ को बढ़ावा देता है और स्कैल्प को भी नमी प्रदान करता है। कैस्टर ऑयल में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण पाए जाते हैं। यह बालों को बढ़ने में मदद करता है और बाल झड़ने को रोकता है।

आलिव ऑयल (जैतून का तेल)

यह बालों को डीप कंडीशनिंग प्रदान करता है और उन्हें चमकदार और मजबूत बनाता है। आलिव ऑयल में भरपूर मात्रा में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो बालों को नरम और चमकदार बनाए रखते हैं।

शब्द सामर्थ्य -055

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

1		2	3	4		■	■	5
	■	6			■	7		
8	9	■	■	10	11		■	
■		■	12	■	13			
14		■	15				■	■
■	16			■	■	■	17	18
19	■	■	20	21	22	■	23	
	■	24	■	25		26		■
27					■	28		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 54 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

घर पर पेडिक्योर करते समय न करें ये गलतियां, हो सकता है नुकसान

पेडिक्योर एक आरामदायक और ताजगी भरा अनुभव है, जो पैरों की देखभाल करने में मदद करता है। हालांकि, घर पर पेडिक्योर करते समय अक्सर कुछ गलतियां हो जाती हैं, जो त्वचा और नाखूनों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताएंगे, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आपका पेडिक्योर अनुभव बेहतर हो और आपके पैर स्वस्थ रहें।

बहुत गर्म पानी का उपयोग न करें- पेडिक्योर करते समय गर्म पानी का इस्तेमाल करना आम बात है क्योंकि इससे त्वचा मुलायम हो जाती है। हालांकि, बहुत ज्यादा गर्म पानी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। यह त्वचा की नमी छीन लेता है और उसे सूखा बना सकता है। इसके अलावा गर्म पानी से पैरों में खून का बहाव बढ़ता है, जिससे सूजन और दर्द हो सकता है। इसलिए हमेशा हल्के गर्म पानी का ही इस्तेमाल करें।

नाखून के पास की त्वचा को न काटें- नाखून के पास की पतली परत को काटना गलत है क्योंकि इससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और नाखून कमजोर हो सकते हैं। इसे काटने की बजाय नरम करने के लिए हल्के गर्म पानी में थोड़ा सा तेल मिलाकर उसमें पैर डालें। इससे यह परत आसानी से पीछे हट जाएगी और नाखून सुरक्षित रहेंगे। इस तरीके से आप बिना किसी खतरे के अपने नाखूनों की देखभाल कर सकते हैं।

त्वचा की स्क्रबिंग समय सावधानी बरतें- त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने का एक अच्छा तरीका है, लेकिन इसे अधिक करने से त्वचा में जलन हो सकती है, खासकर अगर आप कठोर स्क्रब्स का उपयोग करते हैं तो इससे त्वचा में खुजली और लालिमा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप मुलायम स्क्रब्स का उपयोग करें और हल्के हाथों से रगड़ें ताकि त्वचा को कोई नुकसान न पहुंचे। इससे आपकी त्वचा ताजगी भरी रहेगी और स्वस्थ भी बनी रहेगी।

नेल पॉलिश लगाने से पहले बेस कोट लगाएं- जब आप अपने पैरों पर नेल पॉलिश लगाते हैं तो भूल से भी बेस कोट न लगाएं। बेस कोट लगाने से पहले अगर आप सीधे नेल पॉलिश लगाते हैं तो वह जल्दी खराब हो जाती है और आपके नाखून भी खराब दिखते हैं। बेस कोट लगाने से नाखून मजबूत रहते हैं और पॉलिश लंबे समय तक बनी रहती है। इससे आपके पैरों की सुंदरता बढ़ती है और आपको एक बेहतरीन लुक मिलता है।

सही पैर की मालिश तकनीक अपनाएं- पैर की मालिश करते समय अक्सर लोग गलत जगह दबाव डाल देते हैं जिससे दर्द हो सकता है या चोट लग सकती है। सही जगह दबाव डालना जरूरी होता है जैसे तलवे के बीच वाले हिस्से पर हल्का दबाव डालें और एड़ी पर भी ध्यान दें। इसके अलावा अंगूठों की जड़ पर हल्का दबाव डालें ताकि खून का बहाव बेहतर हो सके। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हुए आप अपने पैरों की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

वर्क फ्रॉम होम से बदल रही है जीवनशैली, जानिए कैसे

कोरोना महामारी के बाद घर से काम करने का चलन बढ़ गया है। यह न केवल काम करने का तरीका बदल रहा है, बल्कि हमारी जीवनशैली पर भी गहरा असर डाल रहा है। इस लेख में हम जानेंगे कि घर से काम करने से हमारी दिनचर्या, स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति पर क्या-क्या प्रभाव पड़ रहा है। इसके साथ ही यह भी समझेंगे कि कैसे हम इस नए माहौल में संतुलित रह सकते हैं और जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

घर और ऑफिस का अंतर मिट रहा है- घर से काम करने के कारण घर और ऑफिस का अंतर धीरे-धीरे मिटता जा रहा है। इससे काम का तनाव भी घर तक पहुंच रहा है। इसके चलते लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए नियमित ब्रेक लेना, काम के घंटे तय करना और काम के समय और निजी समय के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। इसके अलावा काम के दौरान कुछ मिनट योग या ध्यान करना लाभदायक हो सकता है।

समय प्रबंधन हो रहा है अहम- घर से काम करने में समय का सही प्रबंधन बहुत जरूरी हो गया है। बिना सही प्रबंधन के काम और निजी जीवन में असंतुलन उत्पन्न हो सकता है। इसके लिए एक दिनचर्या बनाना और उसे पालन करना जरूरी है। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक का एक शेड्यूल बनाएं और उसे फॉलो करें। इसके अलावा काम के बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें ताकि आपका मन ताजा बना रहे और आप ज्यादा उत्पादक रह सकें।

शारीरिक गतिविधियों की कमी- घर पर काम करते समय शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं, जिससे वजन बढ़ने, पीठ दर्द और अन्य शारीरिक समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इससे बचने के लिए रोजाना कुछ मिनट व्यायाम करना जरूरी है। आप योग, स्ट्रेचिंग या हल्की-फुल्की कसरत कर सकते हैं। इसके अलावा दिन में कम से कम १०-१५ मिनट टहलना भी फायदेमंद हो सकता है। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा और आप तंदुरुस्त महसूस करेंगे।

सामाजिक संपर्क घट रहा है - घर से काम करने के कारण सामाजिक संपर्क भी कम हो रहा है। ऑफिस में मिलने वाले सहकर्मियों से अब सिर्फ ऑनलाइन मीटिंग्स ही हो पा रही हैं। इससे अकेलापन महसूस हो सकता है। इससे बचने के लिए ऑनलाइन मीटिंग्स के अलावा फोन या वीडियो कॉल्स का सहारा लें। इसके अलावा सप्ताह में एक बार दोस्तों या परिवार वालों के साथ बाहर जाने की योजना बनाएं ताकि आप सामाजिक रूप से जुड़े रहें और अकेलापन महसूस न हो।

शोर से दूर रहकर ही कलाकार बेहतर काम कर सकते हैं - रकुल प्रीत सिंह

आज के समय में सोशल मीडिया कलाकारों के लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां लोकप्रियता भी मिलती है और आलोचना भी। एक तरफ जहां फैंस अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ पाते हैं, वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन ट्रोलिंग भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसी मुद्दे पर अब अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपनी बेबाक राय रखी। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया के प्रभाव और उससे दूरी बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। रकुल प्रीत सिंह ने कहा, एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सोशल मीडिया पर चल रहे शोर और लगातार आने वाली प्रतिक्रियाओं से खुद को अलग रखना सीखे। अगर कोई कलाकार इंटरनेट पर लिखी हर बात को दिल से लगाने लगे, तो उसका असर उसके काम और मानसिक स्थिति दोनों पर पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि उनको अपनी ऊर्जा अपने काम पर लगानी चाहिए। रकुल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना व्यापक नहीं था। उस समय कलाकारों को आज की तरह तुरंत प्रतिक्रिया नहीं मिलती थी, जिससे मानसिक दबाव भी कम रहता था। उस दौर में आलोचना और चर्चा का तरीका अलग था, जबकि आज के समय में हर व्यक्ति अपनी राय तुरंत और मुखर होकर सोशल मीडिया पर व्यक्त करता है।

उन्होंने आगे कहा, कोरोना महामारी के बाद सोशल मीडिया का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। पिछले कुछ सालों में लोगों के पास ज्यादा समय था। इसका असर यह हुआ कि अब हर विषय पर लोगों की राय बहुत तेजी से सामने आती है और कलाकारों को लगातार आलोचना और टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है।

रकुल प्रीत सिंह ने कहा, एक अभिनेता को इस शोर से खुद को दूर रखना चाहिए। कलाकार का काम अभिनय करना और अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाना है, न कि हर ऑनलाइन ट्रोलिंग का जवाब देना। अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया की हर बात को गंभीरता से लेने लगेगा, तो उसका ध्यान भटक जाएगा और उसका काम भी प्रभावित हो सकता है।

उन्होंने आगे कहा, मानसिक रूप से मजबूत रहना आज के समय में कलाकारों के लिए बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि हर अभिनेता को अपने चारों ओर एक दीवार बनानी चाहिए, ताकि बाहरी नकारात्मकता सीधे उनके काम पर असर न डाल सके। कभी-कभी सोशल मीडिया से दूरी बनाना और ब्लाइंडर्स लगाकर सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना ही सही तरीका होता है।

श्रद्धा कपूर की बड़ी तैयारी, फिल्म ईथा में 800 कलाकारों के साथ देंगी खास प्रस्तुति

श्रद्धा कपूर को आखिरी बार फिल्म स्त्री 2 (२०२४) में देखा गया था। इस वक्त अभिनेत्री अपनी अगली बहुप्रतीक्षित फिल्म ईथा में व्यस्त चल रही हैं, जिसका निर्देशन विक्की कौशल अभिनीत छावा वाले लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं। फिल्म मशहूर लावणी डांसर विठाबाई नारायणगांवकर की बायोपिक है। शूटिंग फिलहाल अंतिम चरण में है और अब इससे जुड़ा एक नया अपडेट सामने आया है, जिसके मुताबिक श्रद्धा एक भव्य गाने की तैयारी में जुट चुकी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग अब अपने आखिरी चरण में है। निर्माताओं ने समापन समारोह में करीब ८०० कलाकारों के साथ एक भव्य गाने पर ध्यान केंद्रित किया है। इससे शूटिंग का अंतिम चरण एक भव्य आयोजन में बदल गया है। मतलब यह है कि श्रद्धा फिल्म के लिए एक भव्य गाना कर रही हैं, जिसमें उनके साथ ८०० कलाकार शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गाने को लाइव इवेंट की तरह तैयार किया गया है।

श्रद्धा पहली बार बायोपिक का हिस्सा बनी हैं, जो विठाबाई नारायणगांवकर की असल जिंदगी को पर्दे पर दिखाएंगी। इस किरदार को निभाना उनके लिए किसी चुनौती से कम साबित नहीं हुआ है। उन्होंने लावणी डांस भी सीखा है। फिल्म में उनके साथ रणदीप हुड्डा मुख्य किरदार में नजर आएंगे। खबरों की मानें, तो निर्माता ईथा को अगस्त, २०२७ में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं, लेकिन आधिकारिक पुष्टि होने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

तहसील दिवस में गूंजी जनता की पीड़ा, 19 शिकायतों पर प्रशासन का एक्शन

बागेश्वर(आरएनएस)। जनसमस्याओं के समाधान और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गरुड़ विकासखंड सभागार में आयोजित तहसील दिवस में क्षेत्रवासियों ने सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, विद्युत और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उपजिलाधिकारी वैभव कांडपाल की अध्यक्षता में आयोजित इस जनसुनवाई कार्यक्रम में कुल 19 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से कई का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया।

तहसील दिवस के दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य लक्ष्मण ने भी अपने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं एवं विकास कार्यों से जुड़े मुद्दों को प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा। इन विषयों पर अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा हुई और कई मामलों में त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। लक्ष्मण ने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों को निरंतर प्रशासन के समक्ष उठाया जाएगा और जनता को राहत दिलाने के लिए हर स्तर पर प्रयास जारी रहेंगे।

उपजिलाधिकारी वैभव कांडपाल ने बताया कि पिछले तहसील दिवस में प्राप्त कई शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान किया जा चुका है तथा शेष मामलों की नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक के दौरान आगामी मानसून एवं आपदा सीजन को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई। एसडीएम कांडपाल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन के मामलों में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि किसी अधिकारी की उदासीनता के कारण जनहानि होती है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख किसान बोरा ने भी प्रशासन से जनसमस्याओं के शीघ्र और प्रभावी समाधान की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि जनता लंबे समय से जिन मूलभूत समस्याओं से जूझ रही है, उनका त्वरित निस्तारण विकास की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है।

तहसील दिवस में प्रशासन की सक्रियता और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी ने स्थानीय लोगों में नई उम्मीद जगाई है।

क्षेत्रवासियों को विश्वास है कि जिन समस्याओं पर प्रशासनिक स्तर पर आश्वासन मिला है, वे शीघ्र धरातल पर समाधान के रूप में दिखाई देंगी और क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

सार्वजनिक स्थानों पर अब आसानी से उपलब्ध होंगे सैनिटरी पैड

पौड़ी(आरएनएस)। बाल विकास विभाग की ओर से जनपद में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन स्थापित करने की पहल शुरू की गई है। प्रथम चरण में कलेक्ट्रेट परिसर, विकास भवन व बस स्टेशन में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें स्थापित की गई हैं। इससे इन सार्वजनिक स्थलों पर आने वाली महिलाओं व छात्राओं को आवश्यकता पड़ने पर आसानी से सैनिटरी पैड उपलब्ध हो सकेंगे। आगामी समय में अस्पतालों, विद्यालयों, महाविद्यालयों व अन्य सार्वजनिक संस्थानों में भी सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें स्थापित करने की योजना है। इसके अलावा बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ योजना के तहत कलेक्ट्रेट परिसर व बस अड्डे में नर्सिंग रूम स्थापित किए जाएंगे। इन कक्षों में महिलाओं को अपने शिशुओं को सुरक्षित, स्वच्छ व सुविधाजनक वातावरण में स्तनपान कराने की सुविधा उपलब्ध होगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र थपलियाल ने बताया कि कलेक्ट्रेट, विकास भवन और बस स्टेशन जैसे स्थानों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं व किशोरियां आती हैं। कई बार आवश्यकतानुसार सैनिटरी पैड उपलब्ध न होने के कारण उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ता है। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य व सम्मान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनों की स्थापना महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों पर बेहतर व सम्मानजनक सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

होटलों का अग्नि सुरक्षा निरीक्षण, कर्मचारियों को दिया प्रशिक्षण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से अग्निशमन विभाग ने रानीखेत क्षेत्र के विभिन्न होटलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान होटल प्रबंधन को अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देशन तथा मुख्य अग्निशमन अधिकारी नरेंद्र सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी अग्निशमन अधिकारी रानीखेत गणेश चंद्र ने क्षेत्र के विभिन्न होटलों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान होटल परिसरों में स्थापित अग्निशमन उपकरणों, आपातकालीन निकास मार्गों और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान होटल कर्मचारियों को आग लगने की घटनाओं की रोकथाम, अग्नि सुरक्षा उपायों और आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें प्राथमिक अग्निशमन यंत्रों के संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। अधिकारियों ने कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में त्वरित और सुरक्षित कार्रवाई करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कालीमठ मोटर मार्ग पर जलभराव से सड़क धंस रही है

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। कालीमठ मोटर मार्ग पर कालीमठ गेट से करीब ३०० मीटर आगे पिछले कई दिनों से जल निकासी नाली बंद होने के कारण सड़क पर लगातार पानी बह रहा है। इससे मार्ग के किनारे लगाए गए टाइल्स उखड़ने लगी हैं। कई स्थानों पर जमीन धंसने की स्थिति बन रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार गुप्तकाशी विद्याधाम के निकट बहने वाले गधेरे का प्रवाह दिशा बदलने के कारण बरसाती पानी सीधे मोटर मार्ग पर पहुंच रहा है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से पानी कचरे और बोल्डरों के साथ कई मीटर तक फैल रहा है जिससे मार्ग धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो रहा है। आशीष सिंह राणा ने आरोप लगाया कि लोनिवि की लापरवाही के कारण इस स्थान पर जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई है।

6 और 7 जून को होगा माँ मानिला महोत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ लगेंगे स्वास्थ्य शिविर

अल्मोड़ा(आरएनएस)। सल्ट क्षेत्र स्थित तल्ला मानिला मंदिर में 6 और 7 जून को दो दिवसीय माँ मानिला महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। मानव सेतु फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस महोत्सव को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेश बोरा ने प्रवासी और स्थानीय उत्तराखंडवासियों से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने बताया कि महोत्सव के पहले दिन 6 जून को राज्य स्तरीय कवि सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कवि अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। उन्होंने बताया कि दिल्ली-एनसीआर से आने वाली धार्मिक एवं सांस्कृतिक झांकियां तथा विभिन्न कलाकारों की प्रस्तुतियां भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहेंगी। महोत्सव में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए मेधावी छात्र सम्मान समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पलायन और स्वरोजगार विषय पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। इसके अलावा महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार से संबंधित कार्यशालाओं के माध्यम से लोगों को जागरूक और प्रेरित किया जाएगा। महोत्सव में जनसेवा से जुड़े कार्यक्रमों को भी शामिल किया गया है। दोनों दिनों तक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित होंगे, जिनमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श और दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए विशाल भंडारे की व्यवस्था भी की गई है। नरेश बोरा ने बताया कि महोत्सव का उद्देश्य उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार जैसे सामाजिक सरोकारों को प्रोत्साहित करना है।

सू- दोकू क्र.055

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.54 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

खेती बचाओ अभियान का शुभारंभ, वैज्ञानिकों ने किसानों को दिए आधुनिक खेती के गुर

अल्मोड़ा(आरएनएस)। कृषि विभाग की ओर से कृषि विज्ञान केंद्र मटेला में खेती बचाओ अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में पर्वतीय कृषि को सुदृढ़ बनाने, मृदा संरक्षण, वैज्ञानिक उर्वरक प्रबंधन और कीट नियंत्रण जैसे विषयों पर किसानों को विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता उजियारी गांव की प्रगतिशील कृषक तारा देवी ने की, जबकि भाकृअनुप-विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कान्त मुख्य अतिथि रहे। मुख्य कृषि अधिकारी आनंद गिरी ने अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्वतीय कृषि को मजबूत बनाने के लिए कृषि विभाग, अनुसंधान संस्थानों और किसानों के बीच समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि खेती बचाने और कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाना समय की जरूरत है। कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सी. तिवारी ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि पर्वतीय क्षेत्रों में मृदा अपरदन खेती के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।

उन्होंने किसानों से ढालदार भूमि पर मृदा एवं जल संरक्षण के उपाय अपनाने, फसल अवशेषों को खेत में ही उपयोग करने तथा समेकित खेती प्रणालियों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि डॉ. लक्ष्मी कान्त ने संतुलित एवं वैज्ञानिक उर्वरक प्रबंधन पर जोर देते हुए कहा कि मृदा परीक्षण के आधार पर जैविक और रासायनिक उर्वरकों का संतुलित प्रयोग किया जाना चाहिए। इससे उत्पादन लागत कम होगी, फसल उत्पादकता बढ़ेगी और मृदा स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. निर्मल हेडाऊ ने पर्वतीय क्षेत्रों में कुरमुला कीट के प्रबंधन के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी। गोष्ठी के बाद प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के प्रक्षेत्र का भ्रमण कराया गया और वहां अपनाई जा रही तकनीकों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में विभिन्न गांवों के 54 से अधिक किसानों तथा 33 वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। किसानों ने मृदा संरक्षण, उर्वरक प्रबंधन और कीट नियंत्रण संबंधी जानकारी को उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता जताई।

बडे संस्थानों में नौकरी लगाने के नाम पर ठगे लाखों

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने बडे संस्थानों में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाले दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार एमजीआईएचएम नन्दा की चौकी के शंकर सिंह अधिकारी ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि नीतिश कुमार व एस कुमारी नामक व्यक्तियों ने फर्जी दस्तावेजों व झूठे आश्वासन के द्वारा संस्थान के छात्रों को विदेश, मुम्बई, चैन्नई, बैगलोर आदि जगह पर भेजने के नाम पर धोखाधडी कर मोटी रकम हडप ली है और किसी की भी नौकरी नहीं लगवायी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जमीन दिलाने के नाम पर ठगे साढे 72 लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। जमीन दिलाने के नाम पर साढे 72 लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमन विहार बापू ग्राम निवासी स्वर्ण दीपक ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान श्यामपुर निवासी सुनील रतूडी से हुई। सुनील ने उसको खण्ड गांव रायवाला में एक जमीन दिखायी और उसको बेचने की बात कही। उसको जमीन पसंद आयी और सौदा तय हो गया। उसने सुनील रतूडी को साढे 72 लाख रूपये पेशगी दिये थे। लेकिन उसके बाद न तो उसके नाम जमीन की रजिस्ट्री करायी और न ही उसके रूपये वापस किये।

चोरी के गैस चूल्हा व सिलेण्डर के साथ चोर गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी के गैस चूल्हा व सिलेण्डर के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जमनपुर निवासी शशि पठानिया ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराया कि वह गांव में किसी काम से गया था। जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके घर से गैस का चूल्हा व सिलेण्डर गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने चैकिंग के दौरान चोरी के गैस सिलेण्डर व चूल्हे के साथ एक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम जब्बार पुत्र अब्दुल समद निवासी मस्जिद के पास जमनपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

स्मैक के साथ मां बेटे गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ महिला सहित मां बेटे को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने जोगीवाला चौक के पास एक महिला व पुरूष को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से 56-56 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अर्श उर्फ छरा पुत्र सरताज व आशमा पत्नी सरताज दोनों निवासी जोगीवाला बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

200 नशीली गोलियों के साथ तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 200 नशीली गोलियां बरामद हुई है।जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना बनभूलपुरा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले सामान की सप्लाई हेतु आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को यात्री शेड, गौला बाईपास, स्लेटर हाउस के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 200 नशीली गोलियां बरामद हुई। पूछताछ मे उसने अपना नाम नसीम अहमद पुत्र महमूद आलम निवासी मोहम्मदी मस्जिद के सामने वाली गली, कोतवाली बनभूलपुरा, जनपद नैनीताल बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं मे मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया है।

मुख्यमंत्री ने 9.74 लाख लाभार्थियों को 176.59 करोड़ रुपये की पेंशन राशि हस्तांतरित की

जन कल्याण और समाजिक न्याय के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धःधामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सर्वे चौक स्थित आई. आर.डी. टी सभागार में राज्य स्तरीय सामूहिक जागरूकता अभिमुखीकरण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के तहत माह मई 2026 की पेंशन वन क्लिक के माध्यम से लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित की। 09 लाख 74 हजार 338 लाभार्थियों के खाते में कुल 176 करोड़ 59 लाख 24 हजार की धनराशि का हस्तांतरण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने नशा मुक्त अभियान एवं वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और देखभाल की शपथ भी दिलाई।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय सामूहिक जागरूकता कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला सामाजिक कल्याण योजनाओं को समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक पात्र व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव, देरी और बाधा के योजनाओं का लाभ प्रदान करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सामाजिक न्याय को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। अंत्योदय परिवारों को प्रतिवर्ष तीन गैस सिलेंडर निशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। दिव्यांग कार्मिकों का वाहन भत्ता बढ़ाया गया है। स्वयं सहायता समूहों को 'लखपति दीदी योजना' एवं कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़कर महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। 'मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना', 'मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना', 'वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम' तथा 'अपणि सरकार पोर्टल' के माध्यम से विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में राज्य की आर्थिकी डेढ़ गुना बढ़ी है तथा बीते एक वर्ष में राज्य की जीएसडीपी में 7.23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले चार वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राज्य की बेरोजगारी दर में 4.4 प्रतिशत की रिकॉर्ड कमी आई है, जो राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। राज्य का बजट आकार एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। होम-स्टे, उद्योग, स्टार्टअप, हेलिपोर्ट एवं बिजली उत्पादन के क्षेत्र में दो से तीन गुना तक वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति आयोग के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) सूचकांक में उत्तराखंड को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। भारत सरकार के सार्वजनिक वित्तीय प्रदर्शन सूचकांक में विशेष श्रेणी राज्यों में उत्तराखंड दूसरे स्थान पर रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में राज्य को 'अचीवर्स' तथा स्टार्टअप रैंकिंग में 'लीडर्स' श्रेणी प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून, दंगा विरोधी कानून एवं सख्त भू-कानून लागू किए गए हैं। सरकार द्वारा 11 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। नकल विरोधी कानून लागू होने के बाद पिछले साढ़े चार वर्षों में 33 हजार से अधिक युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए चार सूत्रीय रणनीति पर बल देते हुए कहा कि योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार, सरकारी प्रक्रियाओं का सरलीकरण, तकनीक का अधिकतम उपयोग तथा नियमित मॉनिटरिंग एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने आयोगों, परिषदों एवं समितियों के सदस्यों से जिलों और दूरस्थ क्षेत्रों का नियमित भ्रमण कर जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करने का आह्वान किया।

आयुक्त ने जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

हमारे संवाददाता

पौड़ी। गढ़वाल मंडलायुक्त आनंद स्वरूप ने आज जिला चिकित्सालय, पौड़ी का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा सुविधाओं तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों का निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की समीक्षा की तथा अस्पताल प्रशासन को व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने केंद्रीय औषधि भंडार, बायोकेमिस्ट्री लैब, हेमेटोलॉजी लैब, हार्मोनल लैब, इंजेक्शन रूम, अल्ट्रासाउंड कक्ष, आईसीयू, एक्स-रे कक्ष तथा आपातकालीन सेवा इकाई का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा उपकरणों, स्वास्थ्य सेवाओं एवं मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक संसाधनों के बेहतर उपयोग पर बल दिया। आयुक्त ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी संवाद किया। उन्होंने पुरुष सर्जिकल वार्ड में भर्ती मरीजों सोहन सिंह एवं आशीष थपलियाल का हालचाल जाना और उन्हें उपलब्ध कराए जा रहे उपचार एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मरीजों से अस्पताल की व्यवस्थाओं एवं सेवाओं के संबंध में भी फीडबैक लिया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अस्पताल में फायर सेफ्टी ऑडिट कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अग्निशमन यंत्रों एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों को हर समय पूर्ण रूप से कार्यशील एवं दुरुस्त रखा जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा सीटी स्कैन कक्ष में क्षतिग्रस्त टाइल्स को शीघ्र बदलने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

आयुक्त ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को चिकित्सालय में उपलब्ध संसाधनों, चिकित्सा उपकरणों, मानव संसाधनों, आधारभूत सुविधाओं, आवश्यकताओं एवं कमियों का विस्तृत विवरण तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के साथ सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे मरीजों को और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एल.डी. सेमवाल ने आयुक्त को जिला चिकित्सालय में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा सुविधाओं, मानव संसाधनों तथा विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी।

नगर निगम ने डेंगू नियंत्रण को विशेष अभियान शुरू किया!

संवाददाता

देहरादून। नगर निगम परिसर से डेंगू रोकथाम हेतु लार्वीसाइडल टैंकर अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

आज यहां मानसून सीजन एवं आगामी समय में डेंगू के संभावित खतरे को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम देहरादून द्वारा जनस्वास्थ्य सुरक्षा एवं डेंगू नियंत्रण हेतु विशेष अभियान प्रारंभ किया गया। इसी क्रम में नगर निगम परिसर से डेंगू रोकथाम हेतु लार्वीसाइडल टैंकर अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया। अभियान का शुभारंभ माननीय महापौर श्री सौरभ थपलियाल एवं नगर आयुक्त श्री आलोक कुमार पाण्डेय (आईएएस) द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। डेंगू वाहक मच्छरों के लार्वा को प्रारंभिक अवस्था में ही नष्ट करने तथा शहर में डेंगू संक्रमण की रोकथाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रथम चरण में लगभग 15 लार्वीसाइडल टैंकरों को विभिन्न क्षेत्रों एवं वार्डों के लिए रवाना किया गया। ये टैंकर शहर के संवेदनशील क्षेत्रों, जलभराव वाले स्थानों, नालों, खाली भूखंडों, निर्माणाधीन स्थलों, सार्वजनिक स्थलों एवं अन्य संभावित मच्छर प्रजनन क्षेत्रों में नियमित रूप से लार्वीसाइडल छिड़काव एवं उपचारात्मक कार्यवाही करेंगे। नगर निगम प्रशासन द्वारा इस अभियान को एक व्यापक जनस्वास्थ्य पहल के रूप में संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत लार्वीसाइडल छिड़काव के साथ-साथ जनजागरूकता गतिविधियां, क्षेत्रीय निरीक्षण, स्रोत नियंत्रण एवं स्वच्छता संबंधी विशेष अभियान भी संचालित किए जाएंगे। निगम का लक्ष्य डेंगू के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए निवारक उपायों को जमीनी स्तर तक प्रभावी रूप से लागू करना है। इस अवसर पर महापौर सौरभ थपलियाल ने कहा कि डेंगू जैसी मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रशासन एवं नागरिकों की संयुक्त भागीदारी आवश्यक है तथा नगर निगम शहरवासियों के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। नगर आयुक्त आलोक कुमार पाण्डेय (आईएएस) ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अभियान को सभी वार्डों में सुनियोजित एवं समयबद्ध तरीके से संचालित किया जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम के दौरान पार्षद, मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आनंद शुक्ला, उप नगर आयुक्त तनवीर सिंह मरवाह, सहायक नगर आयुक्त राजबीर सिंह चौहान, मुख्य सफाई निरीक्षकगण, स्वास्थ्य अनुभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। नगर निगम देहरादून द्वारा नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने घरों एवं आसपास अनावश्यक जलभराव न होने दें, पानी की टंकियों एवं पात्रों को ढककर रखें, कूलर एवं गमलों का पानी नियमित रूप से बदलें तथा डेंगू रोकथाम अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

कुख्यात महिला ड्रग माफिया गिरफ्तार !

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने कुख्यात महिला ड्रग माफिया को दून से गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ ड्रग तस्करी के एक दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' एवं 'ड्रग्स फ्री देवभूमि' अभियान के तहत कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में वांछित कुख्यात महिला ड्रग माफिया एवं गैंगस्टर मेहराज को देहरादून स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। माह अप्रैल 2026 में कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस द्वारा अवैध स्मैक की तस्करी करते हुए विनोद लाल एवं शुभम नामक दो युवकों को गिरफ्तार किया गया था।

पूछताछ एवं जांच के दौरान प्रकाश में आया कि दोनों आरोपी स्मैक की खरीदारी उक्त महिला आरोपी से करते थे। मामले में मेहराज की संलिप्तता पाए जाने पर उसके विरुद्ध धारा 8/21/29 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रही थी, जिसके चलते पुलिस को उसकी तलाश में काफी मशक्कत करनी पड़ी। न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी होने के उपरांत पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी, जनक सिंह पंवार के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली उत्तरकाशी, दिनेश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने सटीक सूचना संकलित कर दबिश देते हुए आरोपी को देहरादून स्थित उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी लंबे समय से स्मैक एवं अन्य मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय रही है। उसके विरुद्ध देहरादून एवं उत्तरकाशी जनपदों में एनडीपीएस एक्ट, गैंगस्टर एक्ट, गुंडा अधिनियम एवं अन्य धाराओं में अनेक मुकदमें पंजीकृत हैं। देहरादून पुलिस द्वारा उसके विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

नाबालिग लड़की का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती एक जून को कोतवाली गंगनहर क्षेत्र निवासी व्यक्ति द्वारा कोतवाली गंगनहर में तहरीर देकर बताया गया था कि हसीन उर्फ गोरिया पुत्र जानी उर्फ सलीम निवासी सालियर सालहपुर द्वारा उनकी नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले जाया गया तथा उसके साथ दुष्कर्म किया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे पुलिस द्वारा बीती शाम एक सूचना के बाद माधोपुर अंडरपास रुड़की से पकडा गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पीडिता को वह पिछले लगभग एक वर्ष से जानता है। बीती 12 फरवरी को मैं पीडिता को सालियर के पास से अपनी मोटरसाइकिल से ले जाकर शारीरिक सम्बन्ध बनाये गये थे। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

पार्किंग विवाद में युवक को बांध कर पीटा, दो हिरासत में

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पार्किंग में हुए विवाद के दौरान दो लोगों ने युवक को बाधकर जमकर पीटा। सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए आरोपी दोनो युवको को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। वहीं पर्किंग मालिक द्वारा आरोपियो का सत्यापन न कराने पर मालिक के खिलाफ भी चालानी कार्यवाही की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 3 जून को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कुछ व्यक्ति एक युवक के हाथ बांधकर उसके साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे थे। वीडियो का तत्काल संज्ञान लेते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की और दो आरोपियों को हिरासत में लिया। जांच में पता चला कि दोनों आरोपी रोड़ीबेलवाला क्षेत्र में एक पार्किंग में कार्यरत थे। किसी बात को लेकर विवाद हुआ। जिस पर पुलिस ने दोनें आरोपियो के खिलाफ विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। साथ ही पार्किंग संचालक द्वारा उनका सत्यापन न कराए जाने पर संबंधित के खिलाफ पुलिस एक्ट के तहत चालान की कार्रवाई भी की गई है। आरोपियों के नाम नूतन पुत्र चंद्रपाल सिंह निवासी ग्राम बिलाई, थाना हलदौर, जनपद बिजनौर (उ.प्र.) व रोबिन पुत्र संजय कुमार निवासी ग्राम मुडदाना, थाना मंगलौर, जनपद हरिद्वार बताये जा रहे है।

मुख्य सचिव ने बजरंग सेतु एवं हिलान्स हिमालयन भोजनालय का निरीक्षण किया

संवाददाता

टिहरी। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने बजरंग सेतु व हिलान्य हिमालयन भोजनालय का स्थलीय निरीक्षण किया।

मुख्य सचिव, उत्तराखंड शासन आनंद बर्द्धन द्वारा जनपद टिहरी गढ़वाल क्षेत्रांतर्गत तपोवन स्थित बजरंग सेतु का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता ओम प्रकाश द्वारा सेतु की इंजीनियरिंग संरचना, तकनीकी विशेषताओं एवं निर्माण संबंधी पहलुओं की विस्तृत जानकारी मुख्य सचिव को प्रदान की गई।

मुख्य सचिव ने परियोजना की प्रगति एवं सुरक्षा मानकों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। तत्पश्चात मुख्य सचिव द्वारा नरेंद्रनगर विकासखंड अंतर्गत प्लास्डा स्थित हिलान्स हिमालयन भोजनालय का निरीक्षण किया गया। हिलान्स हिमालयन भोजनालय की संचालक बीना पुंडीर द्वारा भोजनालय में प्रतिदिन आने वाले ग्राहकों एवं दैनिक बिक्री से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की गई। साथ ही रीप परियोजना से छह लाख, बैंक लोन तीन लाख एवं सीएलएफ कंट्रीब्यूशन एक लाख से अवगत कराया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने भोजनालय परिसर के आसपास अधिकाधिक वृक्षारोपण सुनिश्चित करने तथा मेनू को स्पष्ट एवं सुव्यवस्थित रूप से डिस्प्ले करने के निर्देश दिए, जिससे पर्यटकों एवं आगंतुकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सके।

मुख्य सचिव ने कहा कि स्थानीय स्तर पर पर्यटन एवं आजीविका से जुड़े ऐसे प्रयासों को और अधिक सशक्त किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय विकास को गति मिल सके। इस निरीक्षण के दौरान डॉ पंकज कुमार पांडेय (सचिव लोक निर्माण विभाग, औद्योगिक , खनन एवं आयुष विभाग), जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खण्डेलवाल, एसएसपी श्वेता चौबे, तपोवन नगर पंचायत अध्यक्ष विनीता बिष्ट, एसडीएम नरेंद्रनगर आशीष घिडियाल, डीडीओ मो. असलम, ईओ तपोवन अंजलि, बीडीओ श्रुति वत्स आदि संबंधित उपस्थित रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।